



SHRI SANJEEV BIKHCHANDANI

Shri Sanjeev Bikhchandani is the Founder of Info Edge India Limited - the company that owns Naukri.com, India's leading job site. It also owns 99acres.com, Jeevansathi.com and Shiksha.com. In addition, it has invested in promising internet start-ups such as Zomato, Policybazaar, Shopkirana, Ustraa, Gramophone and Printo, among others.

2. Born on 29th June, 1963, Shri Bikhchandani schooled at St. Columba's School in New Delhi. He studied Economics at St. Stephen's College, Delhi University (1981-1984) and began his career working in advertising with Lintas. He then went to IIM Ahmedabad and graduated from there in 1989, to join the consumer marketing firm HMM Ltd. (now called Glaxo SmithKline Consumer Healthcare Ltd.). He quit his job for entrepreneurship eighteen months later. For the first seven years, Shri Bikhchandani drifted and did a number of small businesses — from salary surveys to databases, to feasibility studies, to training. For a brief period, he was the Consulting Editor of Avenues — the careers supplement of 'The Pioneer' newspaper.

3. In 1997, Info Edge launched Naukri.com and transformed itself into an Internet company. Starting off from a servant quarter above a garage and with seed capital of two thousand rupees, the company grew and attracted investment from leading venture capitalists. It was the first Internet company to list on Indian stock exchanges. Today Info Edge employs over 4000 people and has a market capitalization of over USD 4 billion.

4. Shri Bikhchandani is active in various industry forums and is a contributor to the entrepreneurship ecosystem. He has served as the President of the Delhi chapter of TiE (The Indus Entrepreneurs). He has also served as a member of the Global Board of Trustees of TiE. He serves as a Member of the Council of Management of All India Management Association. He has been Chair of the Internet Council of NASSCOM. He has also served on the Venture Capital Investment Committee for the SIDBI Fund of Funds for startups. He is a member of the Board of the CIIE Initiatives at IIM Ahmedabad.

5. Apart from this, Shri Bikhchandani is also engaged in philanthropy. He is a founding trustee of Ashoka University. He is a member of the Board of Chintan - a not for profit organization that works with waste pickers in Delhi. He supports 1947 Partition Archive — a not for profit organization that is building an oral history archive consisting of video interviews of people who experienced partition. He also supports several other non-profit organisations.

6. Shri Bikhchandani has received various awards and honours. He along with his partner Shri Hitesh Oberoi, won the "Ernst and Young — Entrepreneur of the Year" award in 2008 for Business Transformation. He also won the Dataquest Pathbreaker Award & the Teacher's Achievement Award for Business in the same year. In 2011, he was conferred the Distinguished Alumnus award by IIM Ahmedabad and in 2012 he was honoured with the CF Andrews Distinguished Alumnus award by St. Stephen's College. He is the recipient of the Lakshmipat Singhania — IIM Lucknow National Leadership Award, as Young Leader in the Business Category for the year 2012. In April 2017, Outlook Magazine selected him as one of India's fifty greatest CEOs ever. Recently in 2019, he was honoured with the Lifetime Achievement Award in IT given by the Financial Express.





श्री संजीव बिखचंदानी

श्री संजीव बिखचंदानी इंफो ऐड्ज इंडिया लिमिटेड कंपनी के संस्थापक हैं जिनके पास भारत की अग्रणी रोजगार साइट नौकरी डॉट कॉम का स्वामित्व है। वह 99 एकड़ डॉट कॉम, जीवनसाथी डॉट कॉम और शिक्षा डॉट कॉम के मालिक भी हैं। इसके अलावा, उन्होंने जोमेटो, पॉलिसी बाजार, शॉप किराना, उस्तरा, ग्रामोफोन और प्रिंटो जैसे व्यापक संभावनाओं वाले इंटरनेट स्टार्ट एप्स में निवेश किया है।

2. 29 जून, 1963 को जन्मे, श्री बिखचंदानी ने नई दिल्ली के सेंट कोलंबस स्कूल से स्कूली शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से अर्थशास्त्र का अध्ययन किया (1981–1984) और लिंटास के साथ विज्ञापन के क्षेत्र में कार्य करते हुए अपने पेशेवर जीवन में कदम रखा। वह फिर आईआईएम अहमदाबाद चले गए और वहां से 1989 में डिग्री प्राप्त की और उपभोक्ता विपणन कंपनी एचएमएम लि. (जिसे अब ग्लैक्सो स्मिथक्लिन कंज्यूमर हेल्थकेयर लि. के नाम से जाना जाता है) से जुड़ गए। उन्होंने अट्ठारह महीने बाद अपना काम शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ दी। शुरुआती सात वर्षों तक श्री संजीव बिखचंदानी वेतन सर्वेक्षण से लेकर डाटाबेस, अध्ययन व्यवहार्यता से लेकर प्रशिक्षण जैसे छोटे–मोटे कारोबार करते रहे। वह अल्पावधि के लिए 'दि पायनियर' समाचारपत्र के कैरियर परिशिष्ट ऐवेन्यूज के परामर्शी संपादक भी रहे।

3. इंफो ऐड्ज ने 1997 में नौकरी डॉट कॉम की शुरुआत की और स्वयं को एक इंटरनेट कंपनी के रुप में परिवर्तित किया। दो हजार रुपए की शुरुआती पूंजी से गैरेज के ऊपर बने नौकरों के रहने वाले कमरे में शुरू की गई कंपनी आगे बढ़ी और उसमें अग्रणी उद्यम पूंजीपतियों ने निवेश किया। आज इंफो ऐड्ज कंपनी 4,000 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती है और इसकी बाजार पूंजी 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

4. श्री बिखचंदानी विभिन्न उद्योग मंचों पर सक्रिय हैं और उन्होंने उद्यमिता माहौल में भी योगदान दिया है। उन्होंने टीआईई (दि इंडस एन्ट्रेप्रेन्योर्स) के दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष के रुप में कार्य किया है। उन्होंने टीआईई के वैश्विक न्यासी मंडल के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है। वह ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन की प्रबंधन परिषद् के सदस्य भी रहे। वह नैसकॉम की इंटरनेट काउंसिल के अध्यक्ष भी रहे हैं। उन्होंने स्टार्ट अप के लिए निधियों की सिडबी फंड की वेंचर कैपिटल इनवेस्टमेंट कमेटी में भी कार्य किया है। वह आईआईएम अहमदाबाद में सीआईआईई इनिशिएटिव्स बोर्ड के सदस्य भी हैं।

5. इसके अलावा, श्री बिखचंदानी परोपकार के कार्य भी कर रहे हैं। वह अशोक विश्वविद्यालय के संस्थापक न्यासी हैं। वह चिंतन बोर्ड – एक गैर लाभकारी संस्था के सदस्य हैं जो दिल्ली में कूड़ा बीनने वालों के साथ कार्य करती है। वह एक गैर लाभकारी संस्था 1947 पार्टिशन आर्काइव में सहयोग देते हैं जो विभाजन की पीड़ा झेलने वाले लोगों के वीडियो साक्षात्कार वाला एक ऑरल हिस्ट्री आर्काइव बना रही है। वह अन्य कई अलाभकारी संस्थाओं की भी सहायता करते हैं।

6. श्री बिखचंदानी को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं। श्री बिखचंदानी और उनके सहयोगी श्री हितेश ओबरॉय को 2008 में बिजनेस ट्रांसफोर्मेशन के लिए "अर्नस्ट एंड यंग–एन्ट्रेप्रेन्योर ऑफ द ईयर" पुरस्कार मिला। उन्हें उसी वर्ष कारोबार के लिए डेटाक्वेस्ट पाथब्रेकर पुरस्कार और द टीचर्स अचीवमेंट पुरस्कार भी मिला। उन्हें 2011 में आईआईएम अहमदाबाद द्वारा प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया और 2012 में सेंट स्टीफन कॉलेज द्वारा सीएफ ऐंड्रूज प्रतिष्ठित पूर्वछात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2012 के लिए कारोबार वर्ग में युवा अग्रणी के रूप में लक्ष्मीपत सिंघानिया – आईआईएम लखनऊ नेशनल लीडरशिप पुरस्कार मिला। अप्रैल 2017 में, आउटलुक पत्रिका ने उन्हें भारत के पचास महानतम सीईओ में से एक के रूप में चुना। हाल ही में 2019 में, उन्हें फाइनेंशियल एक्सप्रेस द्वारा आईटी में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।